16 राजस्थान के संगीत घराने, कलाकार, गायन शैलियाँ व प्रसिद्ध संगीतज्ञ

1. मेवाड़ का वह शासक, जिसने संगीत राज व संगीत मिमांसा नामक संगीत ग्रन्थ लिखे?
(1) राणा हम्मीर (2) महाराणा कुम्भा
(3) जगत सिंह प्रथम (4) महाराणा राजसिंह (2)

2. जयपुर के किस शासक ने प्रसिद्ध संगीतज्ञों एवं विद्वानों की मंडली 'गधर्व बाईसी' को अपने दरबार में संरक्षण दे रखा था?
(1) महाराजा अनूपसिंह (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) मिर्जा राजा जयसिंह (4) सवाई जयसिंह (2)

व्याख्या– सवाई प्रतापसिंह के प्रमुख दरबारी संगीतज्ञ देवर्षि ब्रजपाल भट्ट, देवर्षि द्वारकानाथ भट्ट, चाँद खाँ व गणपत भारती थे।

3. राजस्थान की विख्यात गायिका गोहर बाई की पुत्री, जो राजस्थान की प्रसिद्ध मांड गायिका हैं, का क्या नाम है ?
(1) गवरी देवी (2) माँगी बाई
(3) अल्लाह जिलाई बाई (4) बन्नो बेगम (4)

4. मांड गायिकी का उद्‌गम राजस्थान में किस क्षेत्र से हुआ है?
(1) जैसलमेर (2) जयपुर
(3) करौली (4) उदयपुर (1)

व्याख्या– 10वीं व 11वीं शताब्दी में जैसलमेर को 'मांड क्षेत्र' कहा जाता था। अतः यहाँ विकसित हुई गायन शैली मांड गायन शैली कहलाई। यह श्रृंगार प्रधान गायकी है।

5. राजस्थान में हवेली संगीत कहाँ का प्रसिद्ध है?
(1) रामदेवरा (2) पुष्कर
(3) नाथद्वारा (4) महावीर जी (3)

व्याख्या– मध्यकाल में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा हिन्दू मंदिरों को नष्ट किए जाने के कारण हवेलियों व घरों में मंदिर स्थापित हुए तथा वहाँ किए जाने वाले कीर्तन, संगीत व ध्रुपद गायकी आगे चलकर 'हवेली संगीत' के नाम से प्रसिद्ध हुए।

6. सदीक खां मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद (लोकरंग) कहाँ पर स्थित है?
(1) जयपुर (2) बाड़मेर
(3) उदयपुर (4) जैसलमेर (1)

व्याख्या– प्रसिद्ध गायक व खड़ताल वादक सदिक खां की स्मृति में 'सदिक खां मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद' की स्थापना जयपुर में 2002 ई. में की गई।

7. मांड गायकी की सुप्रसिद्ध गायिका है?
(1) रेशमा (2) चम्पा मेथी
(3) शंकुतला पंवार (4) अल्लाह जिलाई बाई (4)

व्याख्या– अल्लाह जिलाई बाई का जन्म बीकानेर में हुआ। बचपन में उस्ताद हुसैन बक्श से संगीत की शिक्षा ली। बाल्यकाल में महाराजा गंगासिंह के सामने गाने का मौका मिला। इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर महाराजा ने इन्हें बीकानेर म्यूजिकल स्कूल में भर्ती करवा दिया। 1982 में इन्हें पद्मश्री मिला व 1982 में ही राजस्थान श्री सम्मान मिला।

8. मांड गीत राजस्थान के किस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है?
(1) बीकानेर (2) मेवाड़
(3) शेखावाटी (4) वागड़ (1)

9. कौन सा प्रसिद्ध पाकिस्तानी गजल गायक मूल रूप से राजस्थान के निवासी थे?
(1) गुलाम अली (2) नुसरत फतेह अली खान
(3) मेहदी हसन (4) अमजद परवेज (3)

व्याख्या– पाकिस्तानी गजल गायक मेहन्दी हसन मूल रूप से झुंझुनूं जिले के 'लूणा' गाँव के निवासी थे।

10. राजस्थान के पंडित विश्वमोहन भट्ट का संबध किस वाद्ययंत्र से स्थापित किया जा सकता है?
(1) मोहन वीणा (2) सारंगी
(3) कामायचा (4) खड़ताल (1)

व्याख्या– इन्होने पश्चिम गिटार में परिवर्तन कर वीणा, सरोद व सितार के सम्मिश्रण वाला एक नया वाद्ययंत्र 'मोहनवीणा' बनाया है।

11. मांगणियारों द्वारा प्रयुक्त मुख्य वाद्य यंत्र कौनसा है?
(1) कामायचा (2) जन्तर
(3) रावणहत्था (4) मांदल (1)

12. बीकानेर की गायिका अल्लाह जिलाई बाई कौनसी राग गाने के लिए प्रसिद्ध थी?
(1) मांगणियार गायकी (2) माण्ड गायकी
(3) लंगा गायकी (4) तालबंदी गायकी (2)

व्याख्या– अल्लाह जिलाई बाई ने बचपन में उस्ताद हुसैन बक्श से संगीत की शिक्षा ली थी। महाराजा गंगासिंह ने इन्हें 'बीकानेर म्यूजिकल स्कूल' में भर्ती करवाया था तथा 1982 में इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

13. किसे 'मरुभूमि की कोकिला' कहा जाता है?
(1) मांगी बाई (2) गवरी बाई
(3) अल्लाह जिलाई बाई (4) बन्नो बेगम (3)

14. 'केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश' को कौन से रागमें सर्वाधिक प्रसिद्ध मिली?
(1) मांड (2) मारू
(3) सोरठ (4) सिन्धु (1)

15. जोधपुर घराने के प्रवर्तक है?
(1) रज्जब अली (2) भूपत खाँ
(3) सदारंग खाँ (4) रमजान खान (4)

व्याख्या– जोधपुर घराने को 'रंगीला घराना' भी कहा जाता है, इसके प्रवर्तक रमजान खान रंगीले थे, जो जोधपुर के गायक इमाम बक्श के शिष्य थे।

16. मेवाड़ के महाराणा कुम्भा की पुत्री, जो संगीतज्ञ थी, इन्हें वागीश्वरी देवी भी कहा गया है–
(1) कृष्णा कुमारी (2) रमा बाई
(3) मान बाई (4) चन्द्र कुंवरी (2)

17. **प्रसिद्ध पाकिस्तानी गजल गायक मेहंदी हसन का सम्बन्ध झुंझुनूं के किस गाँव से है?**
(1) मंडावा (2) बिसाऊ
(3) लूणा (4) भोडकी (3)

18. **ध्रुपद गायकी के चार खण्डों में से असंगत युग्म है?**
(1) गोहरहारी वाणी – तानसेन
(2) डागुर वाणी – बृजनंद डागर
(3) खण्डारवाणी – समोखन सिंह
(4) नौहरवाणी – गजसिंह (4)

व्याख्या– नौहरवाणी के जनक 'श्रीचन्द नौहर' को माना जाता है व इसकी उत्पत्ति जयपुर में हुई।

19. **बीनकार घराना के प्रर्वतक 'रज्जब अली बीनकार' किस शासक के दरबारी संगीतकार थे?**
(1) सवाई रामसिंह द्वितीय (2) मानसिंह
(3) गजसिंह (4) रामसिंह (1)

20. **निम्न में से असंगत युग्म है–**
(1) जगजीत सिंह – श्रीगंगानगर
(2) पं. विश्वमोहन भट्ट – जोधपुर
(3) गणपत लाल डांगी – जोधपुर
(4) बन्नो बेगम – जयपुर (2)

व्याख्या– पंडित विश्वमोहन भट्ट का जन्म जयपुर में हुआ। इन्होंने एक नई राग गौरीम्मा का सृजन किया। इन्होंने पश्चिमी गिटार में परिवर्तन कर वीणा, सरोद व शिकार के सम्मिश्रण से एक नया वाद्ययंत्र मोहन वीणा बनाया। इन्हें 2002 में पद्मश्री, 2017 में पद्मभूषण व 2012 में राजस्थान रत्न सम्मान मिला है।

21. **रागमाला, रागमंजरी, नर्तन निर्णय व सद्राग चन्द्रोदय रचनाएँ है?**
(1) पुण्डरीक विट्ठल (2) विश्व मोहन भट्ट
(3) कवि मेह (4) जगजीत सिंह (1)

22. **'शृंगार हार' नामक रचना किस संगीतज्ञ की है?**
(1) हम्मीरदेव (2) महाराणा कुम्भा
(3) सवाई प्रतापसिंह (4) पृथ्वीसिंह (1)

23. **सवाई प्रतापसिंह के बारे में असत्य कथन है–**
(1) सवाई प्रतापसिंह 'ब्रजनिधि' के नाम से कविताएँ लिखते थे।
(2) इन्होंने 'राधा गोविन्द संगीत सार' ग्रन्थ लिखा।
(3) इनके दरबार में 22 संगीतज्ञों व विद्वानों की मंडली थी।
(4) सवाई प्रतापसिंह जयपुर के शासक थे। (2)

व्याख्या– सवाई प्रतापसिंह ने 'राधा गोविन्द संगीत सार' की रचना अपने विद्वानों से करवाई थी, इसे 'देवर्षि ब्रजपाल भट्ट' ने लिखा था।

24. **नन्हें खाँ व सलीम खाँ का सम्बन्ध किस घराने से है?**
(1) आगरा घराना (2) दिल्ली घराना
(3) बीनकार घराना (4) सेनिया घराना (1)

25. **रंगीला घराना कहाँ स्थित है?**
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) उदयपुर (2)

26. **किस घराने को सितारियों का घराना भी कहते हैं–**
(1) अतरौली घराना (2) सहारणपुर घराना
(3) पटियाला घराना (4) सेनिया घराना (4)

27. **बीकानेर राज्य के बैंड मास्टर.....जिन्होने रोमन आंग्ल भाषा में 'इंडियन म्यूजिक' नामक पुस्तक लिखी है?**
(1) विलियम जेम्स (2) एल.पी. टेस्सीटोरी
(3) जेम्स इलीयट (4) ए.एच. मूलर (1)

28. **ध्रुपद गायन शैली का प्रारम्भ मानसिंह तोमर ने किस महान संगीतज्ञ के सहयोग से किया था?**
(1) बैजू बावरा (2) तानसेन
(3) मधुभट्ट तैलंग (4) मनरंग (1)

29. **निम्न में से असत्य कथन है–**
(1) मांगणियार गायकी में मुख्यतः कामायचा और खड़ताल वाद्य यंत्रों का प्रयोग होता है।
(2) लंगा गायकी में मुख्यतः सारंगी का प्रयोग किया जाता है।
(3) ताल बंदी गायकी में हारमोनियम व तबले का प्रयोग होता है।
(4) फड़ गायकी में वाद्य यंत्र का प्रयोग निषेध है। (4)

व्याख्या– फड़ गायकी में कई तरह के वाद्य यंत्रों का प्रयोग मिलता है। फड़ लोकदेवताओं की कपड़े पर चित्रित कथाओं को गायन करने की कला है।

30. **मारवाड़ क्षेत्र में नाचने वाली पेशेवर महिलाएँ ..... कहलाती है तथा पुरुषों को जागरी कहा जाता है–**
(1) वैरागी (2) भगतन
(3) नटनी (4) पातुर (4)

Dhindhwal Publication

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

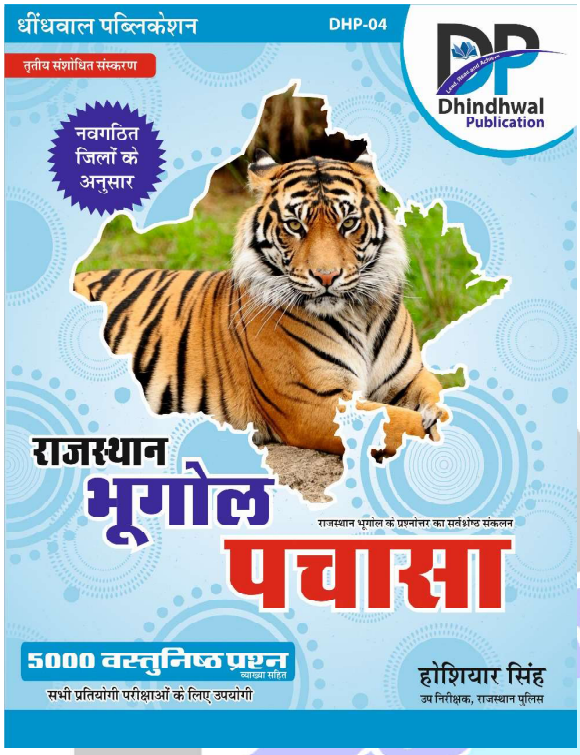

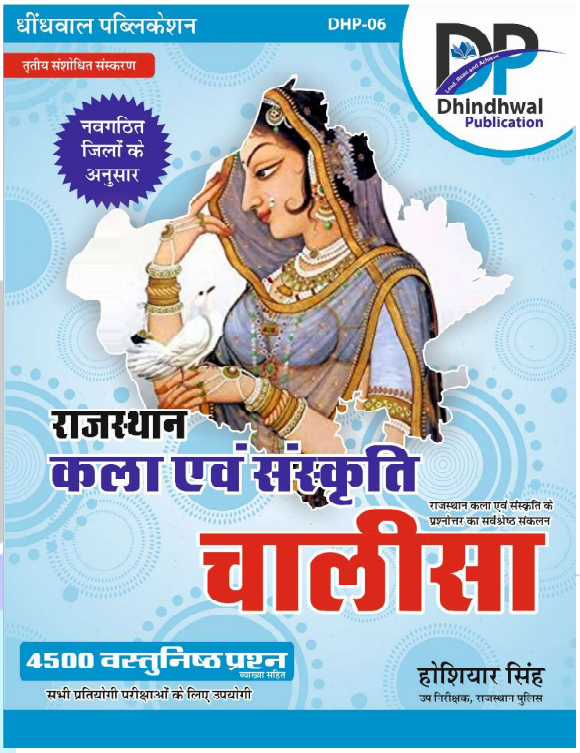

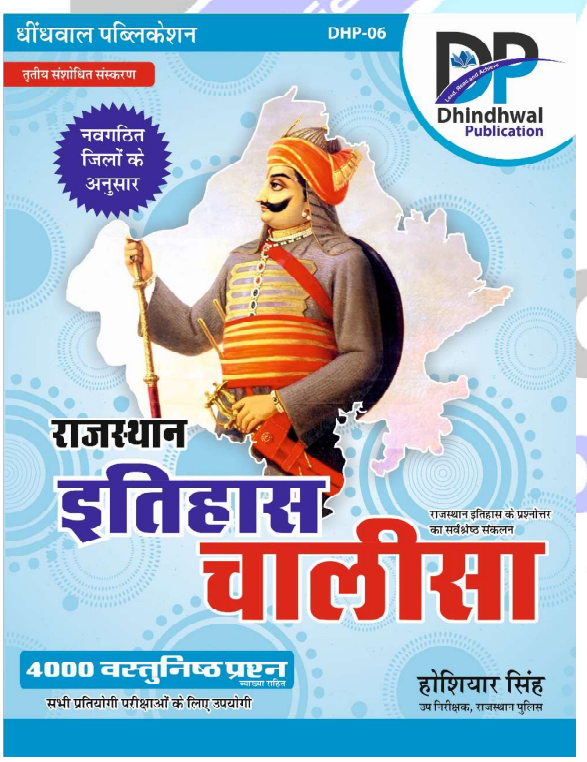

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।